

पाठ : पांडवों का धृतराष्ट्र के प्रति व्यवहार

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: महाभारत-युद्ध का परिणाम पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-39अ/१ विषय वस्तु- पांडवों का धृतराष्ट्र के प्रति व्यवहार उपविषय वस्तु :- अ) पारिवारिक रिश्तों की महत्ता आ) व्यवहार की महत्ता इ)सृजनात्मकता पाठ्येतर विषय वस्तु *तालिका-निर्माण	विद्यार्थी अ) पारिवारिक रिश्तों की महत्ता को समझ सकेंगे । आ) व्यवहार की महत्ता को समझ सकेंगे । इ) सृजनात्मकता की महत्ता को समझ सकेंगे ।	विद्यार्थी अ)पारिवारिक रिश्तों की महत्ता समझ कर दी गई तालिका के आधार पर पाठ की घटनाओं में बदलते रिश्तों की समीक्षा कर सकेंगे । आ) व्यवहार की महत्ता को समझ कर प्रेम संबंधों को बनाने वाले और बिगाड़ने वाले कारणों को लिख सकेंगे । इ) 'यदि युधिष्ठिर और धृतराष्ट्र के स्थान पर आप होते तो आपका व्यवहार कैसा होता ?' विषय पर अपने विचार लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:-पाठ में वर्णित घटनाओं में बदलते रिश्तों को अनुभव कर दी गई तालिका को पूर्ण करना ।

कक्षा :- सात

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:-परिशिष्टसंख्या :-39अ/१	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्टसंख्या :-39आ/१	*पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा
काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या :-39अ/२	काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्टसंख्या :-39आ/२	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश के व्याख्या का प्रयास करेंगे ।	विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के अर्थ को आत्मसात् कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे।	विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे।	
क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-39अ /3	अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-39आ/3	
अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या :-39अ /4	अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्टसंख्या :-39आ/4	

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- नैतिकता, कर्तव्य बोध,राजनीति, सामाजिक ज्ञान, इतिहास, मनोवैज्ञानिकता ।

विद्यालय भवन :- विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर बदलते रिश्तों से संबंधित कहानियाँ पढ़ेंगे।

विभागाध्यक्ष

समन्वयक

उप-प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य

1. पूर्व ज्ञान से संबंधित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या -39अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1- महाभारत युद्ध में पांडवों की जीत के बाद राजा कौन बना?

युधिष्ठिर

प्रश्न.2- हस्तिनापुर के भावी राजा युधिष्ठिर के मन की कैसी स्थिति थी?

बंधु-बंधवों और पुत्रों की मृत्यु
बहुत दुखी थे ।

प्रश्न.3- युद्ध के मूल कारण दुर्योधन की मृत्यु के बाद उसके पिता

राजा धृतराष्ट्र के प्रति उनका व्यवहार कैसा था ?

नहीं पता ।

कथन:--तो आइए 'पांडवों का धृतराष्ट्र के प्रति व्यवहार' पाठ को पढ़ कर उनके व्यवहार को जानते हैं।

2. कठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -39अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देगी।

3. क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -39अ/3

*अध्यापिका द्वारा विद्यार्थियों को आठ-आठ के समूह में विभक्त किया जाएगा ।

* प्रत्येक वर्ग को पाठ पढ़ने का निर्देश दिया जाएगा ।

*सभी विद्यार्थी अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर पठित पाठों की घटनाओं से
अभिव्यक्त रिश्तों के बदलाव को अनुभव करेंगे ।

*अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

*तत्पश्चात् इस अनुभव को तालिका के रूप में तैयार करेंगे । संकेतबिंदु:-

संख्या	पहले पात्र का नाम	दूसरे पात्र का नाम	पहले रिश्ते का स्वरूप मधुर / कटु	बाद में रिश्ते का स्वरूप मधुर/कटु	बदलाव का कारण
1	द्रोणाचार्य	द्रुपद	मधुर	कटु	द्रुपद का अहंकार

* विद्यार्थी कम से कम दस-दस पात्र-युग्मों के नाम तालिका में लिखेंगे।

*अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर लिखित प्रस्तुति का मूल्यांकन करेंगी ।

*मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4. अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या -39अ/4

कार्यपत्र

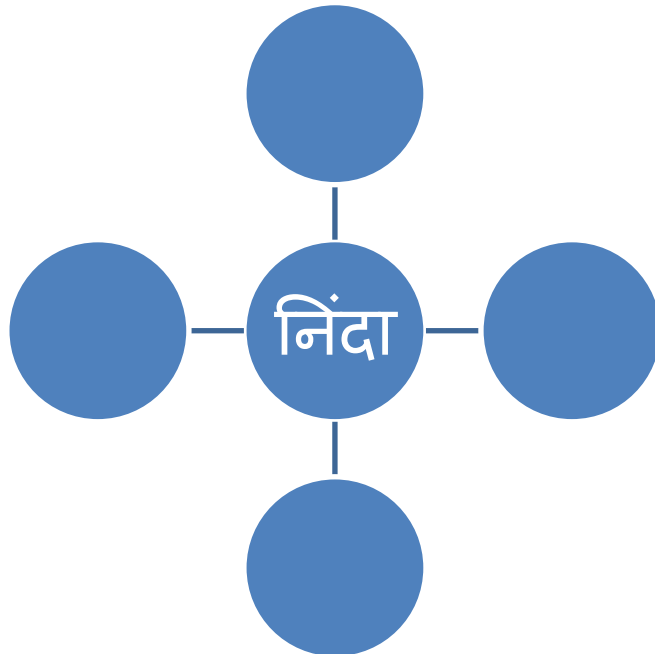
पाठ : पांडवों का धृतराष्ट्र के प्रति व्यवहार

गतिविधि : प्रेम ही जीवन

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

प्रश्न.1.प्रेम संबंधों को बिगाड़ने वाले व्यवहार को नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए ।



प्रश्न.2.प्रेम संबंधों को मजबूत बनाने वाले व्यवहार को नीचे लिखी आकृतियों में लिखिए ।

